झालर शंख नगाड़ा बाजे रे | By Rajendra Jain |

झालर शंख नगाड़ा बाजे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
हनुमान विराजे जठे बजरंग विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

भारत राजस्थान में जी सालासर एक धाम
सूरज स्वामी बण्यो देवरो सांचो जिनरो नाम
थारे लाल ध्वजा लहरावे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

नरेणा की गिनती नहीं बाबा तुम रण सापत हजार
दूर देश से दर्शन करने आवे भक्त अपार
बाबो अटक्या काज बनावे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

चैत सुदी पून्यो को मेलो भीड़ लागे अति भारी
नर नारी तेरा दर्शन करने आवे बारी बारी
थारे जाट जडूला लागे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

राम दूत अंजनी के सुत का धरे हमेशा ध्यान
सेवक गण चरणों के चाकर लाज रखो हनुमान
बाबो बेड़ा पार लगावे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

झालर शंख नगाड़ा बाजे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
हनुमान विराजे जठे बजरंग विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे
सालासर के मंदिर में हनुमान विराजे रे
झालर शंख नगाड़ा बाजे रे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9d%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%b0-%e0%a4%b6%e0%a4%82%e0%a4%96-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%be%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-rajendra-jain/